













## कर्नाटक: जो जीता वही सिकंदर

शक्ति अख्तर

केजुअल एप्रेच कहीं नहीं चलगी। बीजेपी का प्रबंध माइक्रो (जमीनी, हर पैमाने पर) स्तर पर होगा। वहां मुकाबला नहीं कर सकते। केवल मुझे के चयन के अधार पर ही लड़ सकते हैं। वह धर्म पर जाएगे। विषय के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत अपर प्रत्यारोप में कांग्रेस को खींचने की चाही है। कांग्रेस भी इस पिच पर जाती है नुकसान उठाती है। वह भूल जाती है कि व्यक्तिगत अरोपी का जवाब देना भी मोदी को फायदा पहुंचाता है। कर्नाटक में परिस्थितियां उसके अनुकूल बनी हुई हैं। लेकिन मोदी वह खिलाड़ी है जो कांग्रेस की एक गलती से भी मैच पलट देने की क्षमता रखते हैं। अभी गुजरात चुनाव में हालांकि कांग्रेस अधीक अधूरे मन से चुनाव लड़ रही थीं मगर नए बने कांग्रेस कांग्रेस अधीक खड़ेगे को बहां अच्छा समर्पण मिल रहा था। लेकिन उनकी एक टिप्पणी में उम्मीदें रखता कहा, कि वाद मोदी ने गुजरात की सारी एंटी इनकार्योंसी को खत्म करके वहां कांग्रेस को अब तक की सबसे कम सीटों 17 पर सेट दिया था। याद रहे गुजरात में भाजपा 27 साल से है। मगर पिछली बार कांग्रेस ने वहां कड़ी टक्कर दी थी और 77 सीटों पर विजय हासिल की थी, लेकिन पिछले साल एक तो चुनाव को बेमोन और दूसरे अनावश्यक बोलने से वह अपने आज के सबसे खराब प्रदर्शन पर पहुंच गई। इसी तरह 2019 में चुनाव में मोदी ने चौकीदार चार है की भुजाया और उससे पहले 2014 में आज जो उसके बड़े दिमागती बने बैठे हैं, उन गुलाम नवी आजाद के कहां राजा भोज कहां गंगा तेती के मुहावरे को अपनी जाति के खिलाफ बताते हुए उसका फायदा उठाया। कांग्रेस की समस्या वह है कि वह इस बात को समझ नहीं रही कि उसके ऊपर पाठ्य बहां है और मोदीजी के क्या! इन्दिरा गांधी इस बात को अपनी जाति थी। और कभी जब एक पिच पर इसी तरह आयी थीं तो आपने व्यापक समर्थक कहती थीं। कालाबाजारी, जमाखोरी पर लगातार हमले करते रहती थीं। उनके समय हर दुकानदार को सामान की कीमत, उसकी उपलब्धता बढ़े से बोंदी पर लिखकर मय तारीख के रोज दुकान के बाहर लगाना होता थी। और बोंदी भी बड़ा। सामने ताकि दिखे। वे अपने यूनीफॉर्म रखेंगे कि कभी नहीं हटती थीं। विषय को बिकल्प ही नहीं देती थीं। राजनीति ही हो तो गीरी और अपील पर करो। और कोई अजेंडा चलने हो नहीं देती थीं। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, राजाओं के प्रिवेट खत्म करके उन्होंने जो गरीब समर्थक छवि बनाई थी उसे वे हमेशा कायदम रखती थीं। भाजपा, उस समय जनसंघ खूब उन पर व्यक्तिगत प्रहार करती थीं। एक से एक गंदी बातें उनके लिए कही गईं। विधाया अशम होती है से लेकर महिला ने नेतृत्व पुरुष के लिए शर्म की बात जैसी जीते वातें कहती जाती थीं। उनकी नाक पर इसी मारी गई। फिर नाक की चोटों को लेकर मजाक बनाया गया। मगर इन्दिरा गांधी की इसी जाति के अंतर्गत उनके लिए अपील होती है। उनकी नाक पर इसी मारी गई। लेकिन भारत जांडी यात्रा के बाद जब इहें अहसास हो गया कि गाहल बड़ी ताकत बन गए हैं तो इन्होंने गाहल पर लगातार खड़े कर खुद को मुद्दा बना लिया। कांग्रेस इसमें फसती है। पहले कर्नाटक में खड़ेगे ने एक शब्द सापे का बेबज ब्रयोग किया। कांग्रेस की समस्या यह है कि यहां कोई सेट्टल थिक टैक ही नहीं है। किसी को मालूम ही नहीं कि क्या कहना होता है। उनसे ही जारी की राजनीति के खिलाफ यहां सरे नेता अपनी वाकादारी साबित करने में लग गए। और सोनिया के बारे में 2004 से पहले यह सब कह चुके हैं। अब कुछ नया नहीं है। क्यों इस जाल में फंसते हो। यहां तो महात्मा गांधी तक को गालियां दी जा रही हैं और साजड़ने की बात यह है कि बिना सोचे समझ नहीं। सोच कर। इससे उन्हें फायदा होता है। करितवार, शेरो-शायरी, मुहावरे मुश्किल विद्य हो। जरा सा भी इधर-उधर होने में बुकान सरा जाते हैं। मुहावर, कहावत एक क्षेत्र के दूसरे क्षेत्र में नहीं चलते। खड़ेगे अध्यक्ष बनने के बाद अपने कर्नाटक की एक कहावत मोहर्म, बकरी को बहुत सुनाए थे। मगर यहां उत्तर भारत में कोई समझ ही नहीं पाता था। उल्टा कुछ नेटिविंग अर्थ जरूर ले लेते थे। अब कांग्रेसी किस का क्या समर्थक वर्ग है यह समझें बिना तर्क देने लगते हैं कि मोदी ने तो यह यह कहा। मगर इन्हीं सी बात उनकी समझ में नहीं आती कि क्या इससे मोदी का एक वोट भी कम हुआ?

## भ्रष्टाचारी कमीशन - 40 प्रतिशत बनाम 85 प्रतिशत

किशन भावनारी

10 मई 2023 को कर्नाटक में चुनाव हैं, इसलिए वहां जोरों से राजनीतिक पार्टियों का चुनाव प्रयास, एक दूसरे पर भ्रष्टाचार का शास्त्रिक वार अरोप-प्रत्यारोप का योग्य छाया हुआ है। दो मुख्य पार्टियों में भ्रष्टाचार के 40 प्रतिशत कमीशन का जवाब 85 प्रतिशत कमीशन के रूप में दिया जा रहा है। दसवां और दोनों पार्टियों के दिनी छोटे नेता नहीं बल्कि अति विशिष्ट उच्च हाल लेल नेताओं द्वारा एक दूसरे पर लाप्त एवं जारी होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं। मौका अच्छा है। बस उसका उपयोग करना आना चाहिए। सवाल कांग्रेस से है। वह ऐसा चुनाव हर जात को नहीं लड़ती है? और वह सवाल हमारा नहीं जनता का है। जनता का इसलिए कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल है। और देश भर में है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अपने सारे महारथी उत्तर दिए हैं। नतोंजे दिखने लगे हैं। प्रधानमंत्री मोदी गालियां गिनते लगे हैं। व्यक्तिगत के जनन के मद्दें पर केंद्र रहना है। जातिगत जनगणना के सवाल के देखना है कि किनान धर्म की जनीनी के मुकाबले कारगर होते हैं।



# विदेश संदेश

तुक्रिए की सेना के हमले में मारा गया  
आईएस का सदिध सरगना अबू हुसैन अल  
कुरैशी, सीरिया में हुई थी मुठभेड़

वाशिंगटन। तुक्रिए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एंडोगन ने बताया कि तुक्रिए की खुफिया सिक्योरिटी फोर्सेस के साथ मुठभेड़ में खंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का सदिध सरगना अबू हुसैन अल कुरैशी मारा गया है। तुक्रिए की खुफिया सिक्योरिटी फोर्सेस और आईएस आतंकियों के बीच सीरिया में मुठभेड़ हुई, जिसमें आईएस सरगना ढेर हो गया। एंडोगन ने बताया कि तुक्रिए की खुफिया फोर्सेस लंबे समय से आईएस सरगना के खिलाफ ऑपरेशन चला रहा था।

तुक्रिए के मीडिया के अनुसार, यह मुठभेड़ सीरिया के जानदारिस इलाके में हुई। यह इलाका तुक्रिए के प्रभाव वाला माना जाता है और तुक्रिए समर्थित विद्रोही संगठन इस इलाके में मजबूत हैं। बीती छह फरवरी को आप भूकंप में यह इलाका भी प्रभावित हुआ था। खबर के अनुसार, तुक्रिए के सुश्रृंखला और विद्रोही सीरियन नेशनल आर्मी के बीच निवार की रात मुठभेड़ शुरू हुई, जो कुछ घंटे चली। मुठभेड़ के बाद इस पर इलाकों के घेराबदी कर दी गई।

**सीरिया-इराक के कुछ हिस्सों पर है आईएस का कब्जा**

बता दें कि अल कुरैशी बीते साल नवंबर में ही इस्लामिक स्टेट का सरगना बना था। इस्लामिक स्टेट ने साल 2014 में इराक और सीरिया के कुछ हिस्सों पर अपना कब्जा करवा लगाया। आईएस के सरगना अबू बकर अल बगदादी ने खुद को खलाफी घोषित कर दिया था। हालांकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के साथ लड़ाई में आईएस का अधिकार क्षेत्र सिमटा गया। हालांकि अभी भी हजारों आतंकी सीरिया और इराक के विभिन्न इलाकों में छिप हुए हैं। अमेरिका समर्थित फौजें और कुर्दिश समर्थित फौजें अभी भी आईएस आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रही है।

**'किंग' के प्रति लें निष्ठा की शपथ', ब्रिटेन के लोगों से अपील, कई सांसद नाखुश**

लंदन। लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में 6 मई को किंग चार्ल्स III का राज्याभिषेक होने जा रहा है। इसके बाद चार्ल्स अधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के राजा बन जाएंगे। इस बीच बताया जा रहा है कि राज्याभिषेक देखने वाले लोगों को राजा और उनके उत्तराधिकारियों के प्रति निष्ठा की शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। बता दें, राज्याभिषेक के कार्यक्रम में कई बदलाव किए गए हैं, जिनमें से यह सर्वजनिक इस्लामिक शमिल है। हालांकि इससे कुछ सांसद नाखुश हैं। उन्होंने इस फैसले को देश को पीछे ले जाना बताया है।

**यह भी बदलाव**

आयोजकों के अनुसार, राज्याभिषेक में महिला पार्दारी एक प्रमुख भूमिका निभाएंगी। बाद में राजा स्वयं प्रार्थना करेंगे। जहां सार्वजनिक प्रतिज्ञा पहली बार आयोजित की जा रही है, वही अन्य धर्मों के धर्मिक नेता पहली बार सार्वजनिक निभाएंगी। इसके अलावा इस बार के राज्याभिषेक में बीली जाने वाली अन्य धाराओं को भी शामिल किया जाएगा। वेल्स, स्कॉटलैण्ड और अयरिश गेलिक भाषा में एक भजन गाया जाएगा। बता दें, किंग के शपथ में भी बदलाव किए गए हैं। वह इस बार तीन नई शपथ लेंगे।

**यह शपथ लेंगे**

जानकारी के अनुसार, ब्रिटेन के सबसे बड़े पार्दारी में लोगों से अपील की है कि वह अपने राजा के प्रति शपथ लें। लोग यह कहते हैं कि मैं अपके और आपके उत्तराधिकारियों के प्रति कानून के साथ सच्ची निष्ठा निभाऊंगा। इसमें भावाना मेरी मदद करें। ब्रिटिश राजशाही के उन्मूलन के लिए अभियन्त चलाने वाले ग्राहम स्मिथ ने कहा कि लोगों के प्रति निष्ठा की शपथ राज्य को लेने चाहिए न कि इसके उल्टा। वहीं, ग्रीन के सह-नेता एड्रिन रामसे सहित अन्य नेताओं ने भी इसपर अपति जताई।

**यौएस कैपिटल पर दंगे में शामिल व्यवित को साड़े यार साल की जेल, पुलिस पर किया था हमला**

वाशिंगटन। यौएस कैपिटल पर दंगे के दैरान पुलिस पर काली मिर्च से के हमला करने के मामले में दक्षिणी कैलिफोर्निया के एक व्यक्ति को सारे चार साल जेल की सजा सुरक्षा दी गई है। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, पर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों के यौएस कैपिटल पर हमले के दैरान गुंगाही और दुर्कम्प के मामले में सत्ता एना के 56 वर्षीय जेरोरी स्कॉप ब्राउट को संघीय जेल में 54 महीने की सजा सुनाई गई है। अमेरिकी नेटवर्कों के दैरान गुंगाही में शनिवार को पहचान फ्रांसिस्को ओरेपेजा (38) के रूप में हुई है। आरोपी अपने वार्ड में फायरिंग कर रहा था। उसी दैरान पड़ोसियों ने अपने बच्चों को सुलाने के लिए फायरिंग बंद करने को कहा। कहा सुनी की बाद उसने घर में घुसकर फायरिंग कर दी। लॉस एंजेलिस के एक इलाके में शनिवार रात शुधु के चलते विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

**खुफिया दस्तावेज लीक: पाकिस्तान की मंत्री ने कहा, नेपाल में सीपीएन (यूएमएल) अध्यक्ष और राजशाही समर्थकों के बीच टकराव बढ़ा**

झुकता है तो उसे चीन से मिलने वाले बड़े फायदे को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को पश्चिम को खुश करने से बचना चाहिए। अगर पाकिस्तान के मुश्किल विकल्प था। इसमें अमेरिका के साथ साझेदारी बनाए गए जिन्हें एक अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेजों में पाकिस्तान को विदेश राज्यमंत्री हिना रबाबी खार ने पाकिस्तान को दो नावों पर पैर रखकर चलने पर आगाह किया था।

**अखंड भारत संदेश**

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति

द्वारा विधिन इन्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवं

क्रियायोग आग्रह एवं अनुसंधान संस्थान झूली, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

**सम्पादक** स्वामी श्री योगी सत्यम् RNI No: UPHIN/2001/09025

ऑफिस नं.: 9565333000

Email:- akhandbhartsandesh@gmail.com

सभी विदेशों का व्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

## मैक्सिसको में बस खाई में गिरी, 18 पर्यटकों की मौत, 11 बच्चों सहित 33 घायल

मैक्सिसको में हुई बड़े सड़क हादसे में एक बस खाई में गिर गयी। हादसे में बस में सवार 18 पर्यटकों की मौत हो गयी और 11 बच्चों सहित 33 लोग घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक मैक्सिसको के गज जैसी विदेशी सिक्योरिटी फोर्सेस के साथ मुठभेड़ में खंखार आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट का सदिध सरगना अबू हुसैन अल कुरैशी मारा गया है। तुक्रिए की खुफिया सिक्योरिटी फोर्सेस और आईएस आतंकियों के बीच सीरिया में मुठभेड़ हुई, जिसमें आईएस सरगना ढेर हो गया। एंडोगन ने बताया कि तुक्रिए की खुफिया फोर्सेस लंबे समय से आईएस सरगना के खिलाफ ऑपरेशन चला रहा था।

तुक्रिए के मीडिया के अनुसार, यह मुठभेड़ सीरिया के जानदारिस इलाके में हुई। यह इलाका तुक्रिए के प्रभाव वाला माना जाता है और तुक्रिए समर्थित विद्रोही संगठन इस इलाके में मजबूत हैं। बीती छह फरवरी को आप भूकंप में यह इलाका भी प्रभावित हुआ था। खबर के अनुसार, तुक्रिए के सुश्रृंखला और विद्रोही सीरियन नेशनल आर्मी के बीच निवार की रात मुठभेड़ शुरू हुई, जो कुछ घंटे चली। मुठभेड़ के बाद इस पर इलाकों के घेराबदी की घोषणा की गई।

सीरिया-इराक के कुछ हिस्सों पर है आईएस का कब्जा

बता दें कि अल कुरैशी बीते साल नवंबर में ही इस्लामिक स्टेट का सरगना बना था। इस्लामिक स्टेट ने साल 2014 में इराक और सीरिया के कुछ हिस्सों पर अपना कब्जा करवा लगाया। आईएस के सरगना अबू बकर अल बगदादी ने जारी कर दिया था। इसके बाद इराक के विभिन्न इलाकों में छिप हुए हैं। अमेरिका समर्थित फौजें और कुर्दिश समर्थित फौजें अभी भी आईएस आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रही है।

**'किंग' के प्रति लें निष्ठा की शपथ', ब्रिटेन के लोगों से अपील, कई सांसद नाखुश**

लंदन। लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में 6 मई को किंग चार्ल्स III का राज्याभिषेक होने जा रहा है। इसके बाद चार्ल्स अधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के राजा बन जाएंगे। इस बीच बताया जा रहा है कि राज्याभिषेक देखने वाले लोगों को राजा और उनके उत्तराधिकारियों के प्रति निष्ठा की शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। बता दें, राज्याभिषेक के कार्यक्रम में कई बदलाव किए गए हैं, जिनमें से यह सर्वजनिक इस्लामिक शमिल है। हालांकि इसके बाद एक बदलाव किए गए हैं। अप्रैल को एक अधिकारी देश के लिए दुर्घटना होने से बदलाव किए गए हैं।

परागवे में बीते 76 साल में अधिकार

और खाई में जा गिरी। यह बस समुद्र किनारे रिंजार्ट क्षेत्र में जा हालांकि, फिलहाल हादसे के

सभी यात्री मैक्सिसकन नागरिक थे।



रही थी। नुनेज ने कहा कि कारणों का सत्ता में दुर्घटनाग्रस्त पर्यटक बस में सवार

दुर्घटना की सूचना मिलने के तत्काल बाद आपातकालीन कर्मचारियो